जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 235 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 29 जून, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'चुनाव आयोग भाजपा का ''ब्रॉंच ऑफिस'' हो गया है'

कांग्रेस के पद चिन्हों पर चलते हुए तृणमूल कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग पर चढ़ाई की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। कांग्रेस के बाद, तृणमूल कांग्रेस ने आज चुनाव आयोग पर भाजपा का शाखा कार्यालय होने का आरोप लगाया, क्योंकि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वह पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ पार्टी के चुनावी अवसरों को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है।

दिल्ली में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राज्यसभा में टीएमसी के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि अगली साल होने वाले बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की संभावनाओं के बारे में पार्टी के आंतरिक आकलन के कारण ही चुनाव आयोग मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण को आगे बढ़ा रहा है।

डेरेक ओ' ब्रायन ने कहा, ''भाजपा के नवीनतम आंतरिक सर्वेक्षण ने पार्टी को बंगाल में 46-49 सीटें दी हैं। यह (विशेष सघन पुनरीक्षण) उनकी तरफ से मामलों को अपने पक्ष में करने का एक हताशापूर्ण प्रयास है।''

तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस सप्ताह एक सार्वजनिक भाषण में बंगाल में भाजपा की 50 सीटों से कम की भविष्यवाणी की थी।

- राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डैरेक ओ ब्रॉयन ने कहा कि ''भाजपा के आंतरिक सर्वे व आंकलन के अनुसार, अगले साल बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की 46-49 सीटें आने वाली हैं।
- ''अतः चुनाव आयोग द्वारा बंगाल में मतदाता सूची बनाने की प्रक्रिया में विशेष व गहरा परिवर्तन करना एक मजबूरी है भाजपा की, जिसमें चुनाव आयोग पूरा सहयोग कर रहा है।''
- नई प्रक्रिया के अनुसार, उन मतदाताओं को, जिनका जन्म 1987 से पहले हुआ, मतदान से पूर्व अपना बर्थ सर्टिफिकेट दिखाना होगा। जिनका जन्म 1987 व 2004 के बीच हुआ है, उन्हें न केवल अपना ''बर्थ सर्टिफिकेट'' बल्कि अपने माता-पिता का ''बर्थ सर्टिफिकेट'' भी दिखाना होगा।
- ''क्या आप अपने माँ-बाप का बर्थ सर्टिफिकेट रखते हैं?'' अतः यह तृणमूल की एक साजिश है, जिसमें ''माइग्रैंट लेबर'' आदि का मतदान का अधिकार खत्म करना है।
- डैरेक ओ ब्रायन का यह भी कहना है कि मतदान की प्रक्रिया में यह सघन परिवर्तन नाज़ी जर्मनी द्वारा 1935 में जारी किये ''पूर्वज पास'' (एन्सैस्टर पास) का नया रूप है, हम कहाँ जा रहे हैं।''

डेरेक ओ' ब्रायन ने जोर देकर कहा, ''हमारे महासचिव ने जो कहा, वह इन आंकड़ों पर आधारित था। हमें इस जानकारी की जानकारी है।''

चुनाव आयोग ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक पत्र लिखकर, मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए कहा था, जिससे नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटिज़न्स (एनआरसी) को किसी अन्य रास्ते से लागू किए जाने का डर उत्पन्न हो गया है।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को तुरंत झपटा और दावा किया कि इसका लक्ष्य बंगाल है, जहाँ अगले वर्ष चुनाव होने हैं।

चुनाव आयोग ने नागरिकता अधिनियम, 1955 के आधार पर विभिन्न स्तरों पर दस्तावेज़ सत्यापन का आदेश दिया है। बूथ स्तर के अधिकारियों को पूर्व-भरे हुए गणना फॉर्म दिए जाएंगे, जिनमें मतदाताओं को अतिरिक्त जानकारी प्रदान करनी होगी, जिसमें उनके माता-पिता की जन्म तिथि और जन्म स्थान के दस्तावेजी प्रमाण शामिल होंगे।

यह 1 जुलाई 1987 के बाद जन्मे लोगों के लिए अनिवार्य है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोलकाता गैंग रेप की जाँच के लिए भाजपा ने पैनल बनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कोलकाता के एक लॉ कॉलेज की छात्रा के गैंग रेप की घटना की निंदा की और इस घिनौनी घटना, जो पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था की दयनीय स्थिति को उजागर करती है, की जाँच के लिए पार्टी का एक चार सदस्यीय पैनल गठित किया।

- भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा गठित इस चार सदस्यीय पैनल में पूर्व केन्द्रीय मंत्री व पूर्व पुलिस कमिश्नर सतपाल सिंह के साथ मीनाक्षी लेखी और विपुल कुमार देव व मनन कुमार मिश्रा शामिल हैं।

पैनल के सदस्य हैं, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त सतपाल सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, सांसद विपल कुमार देव और मनन कुमार मिश्रा।

यह पैनल घटना स्थल का दौरा करेगा और रिपोर्ट नड्डा को सौंपेगा।

पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अफसर ''रॉ'' के चीफ नियुक्त

''ऑपरेशन सिंदूर'' में जैन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पराग जैन को भारत की एक्सटर्नल इन्टैलीजैंस एजेंसी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू-रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। जैन वर्तमान रॉ प्रमुख रवि सिन्हा से कार्यभार ग्रहण करेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है।

पराग जैन 1989 बैच के पंजाब कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वे एक जुलाई को दो साल के निश्चित कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करेंगे। खुफिया ऑपरेशन्स के संचालन, रणनीतिक निगरानी और क्षेत्रीय भू-राजनीति में गहरी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध, जैन वर्तमान में रॉ के दूसरे नम्बर के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं और इसके एविएशन रिसर्च सेंटर (एआरसी), जो हवाई निगरानी और टोही कार्य के लिए जिम्मेदार एक महत्वपूर्ण विंग है-के प्रमुख हैं। वे ऑपरेशन सिंदूर के मुख्य संचालन अधिकारी थे।

पराग जैन के पास रॉ में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। इस अवधि में उन्होंने कई संवेदनशील विभागों का प्रभार संभाला, जिसमें पाकिस्तान डेस्क का लंबा कार्यकाल शामिल है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों में अहम ऑपरेशनल भूमिका निभाई है, जिसमें जम्मू -कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति भी शामिल है।

रॉ के भीतर, पराग जैन को उनके तीव्र ऑपरेशनल अन्तर्दृष्टि एवं सूझ-बूझ और गहरी संस्थागत समझ के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है। उनकी नियुक्ति को भारत की बाहरी खुफिया तंत्र में निरंतरता और रणनीतिक गहराई सुनिश्चित करने की दिशा में उठाये गये एक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

रॉ में शामिल होने से पहले, जैन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लगभग दो दशकों से उनकी सेवाएं ''रॉ'' को समर्पित थीं और लंबे समय तक वे ''रॉ'' में पाकिस्तान डेस्क के इन्जार्च रहे हैं।
- जैन ने श्रीलंका व कैनडा में ''डिप्लोमैटिक इंटैलिजैंस ऑपरेशन'' की जिम्मेवारी संभाली थी। विशेषकर कैनडा में उन्हें खालिस्तानी आतंकवादी मॉड्यूल पर निगाह रखने की जिम्मेवारी सौंपी गई थी। यह जिम्मेवारी संभालते हुए उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोज़र पाया, ग्लोबल टैररिज़्म(अंतर्राष्ट्रीय आंतकवाद) के बारे में।
- उन्होंने पंजाब में भी एसएसपी व डीआईजी के रूप में आतंकवादी गतिविधियों का ग्राउण्ड लैवल का अनुभव भी पाया, क्योंकि उस समय पंजाब में आतंकवाद चरम पर था।

राज्य सेवा के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार व अनुशासन के 38 प्रकरणों का निस्तारण

मुख्यमंत्री भजनलाल ने इन लंबित मामलों पर प्राथमिकता देते हुए निर्णय लिए

जयपुर, 28 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशील, भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी सुशासन की नीति अपनाते हुए राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही, अभियोजन स्वीकृति एवं 17-ए के विचाराधीन 38 प्रकरणों का निस्तारण किया है।

मुख्यमंत्री ने सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध लंबी अनाधिकृत अनुपस्थिति एवं भ्रष्टाचार के 2 प्रकरणों में सेवा से हटाने एवं पदच्युत् करने का निर्णय लिया है। वहीं अभियोजन स्वीकृति के लंबित प्रकरणों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 7 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन चलाने की मंजूरी दी है। भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17-ए के 05 प्रकरणों में भी विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने की अनुमति भी प्रदान की है। इसी तरह 11 सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम-16 तथा 2 अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम-17 के तहत कार्यवाही करते हुए वार्षिक वेतन वृद्धियां संचयी/असंचयी प्रभाव से रोके जाने के निर्णय किया है। इसके अतिरिक्त, सेवानिवृत्त अधिकारियों के पुराने प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 9 अधिकारियों की पूर्ण अथवा आंशिक पेंशन रोके जाने की कार्यवाही की गई है। वहीं 4 सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन किया गया है। साथ ही, भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1 सेवानिवृत अधिकारी के विरूद्ध अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के नियम 08 में प्रमाणित आरोपों हेतु पेंशन रोकने के दण्ड की अभिशंसा भारत सरकार को भिजवाई गई है। इसी तरह 2 प्रकरणों में सीसीए नियम 34 के तहत अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत पुनर्विलोकन याचिकाओं को निरस्त करते हुए दण्ड को यथावत रखा गया है तथा विभागीय जांच के 2 प्रकरणों में आरोपित अधिकारियों को राहत दी गई है।

- राज्य सरकार ने 7 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन चलाने की अनुमति दी। धारा 17-ए के 5 प्रकरणों में विस्तृत जाँच की अनुमति प्रदान की। नौ सेवानिवृत्त अधिकारियों की पूर्ण आंशिक पेंशन रोके जाने की कार्यवाही की।

मोदी ने शुभांशु शुक्ला से बात की

नयी दिल्ली, 28 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि मिशन गगनयान को आगे बढ़ ाने के साथ ही भारत को अंतरिक्ष में अपना स्टेशन बनाना है और यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर उतरे।

मोदी ने 41 साल के अंतराल के बाद अंतरिक्ष में गये दूसरे भारतीय नागरिक ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बात करते हुए कहा चंद्रयान की सफलता

- प्रधानमंत्री ने ग्रुप कैप्टन शुक्ला से कहा कि चंद्रयान की सफलता के बाद देश के युवाओं में विज्ञान के प्रति नई रूचि विकसित हुई है।

के बाद देश के युवाओं ने विज्ञान के प्रति एक नई रुचि विकसित की है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रुप कैप्टन शुक्ला से कहा, आज आप हमारी मातृभूमि से दूर हैं, लेकिन आप भारतीयों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत खुद ही मुख्यमंत्री के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे होंगे : हनुमान बेनीवाल

बेनीवाल ने कहा कि प्रेमचन्द बैरवा व मदन राठौड़ ने धरना हटवाया था, पर परीक्षा नहीं टली

जोधपुर, 28 जून (कासं)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वर्तमान मुख्यमंत्री के खिलाफ षडयंत्र वाले दावे पर कहा कि अशोक गहलोत खुद ही षड्यंत्र रच रहे होंगे। बिना गहलोत के भाजपा षड्यंत्र नहीं रच सकती। अगर मुख्यमंत्री को हटाने के लिए भाजपा के विधायक तैयार होते हैं, इसका मतलब गहलोत साहब से कोई बात हुई होगी। पहले वसुंधरा ने गहलोत साहब को विधायक दिए थे। यह तो राजस्थान में होता आया है। कोई नई बात नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद कहते हैं कि कांग्रेस के नेता रात के अंधेरे में उनसे मिलते हैं।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए यह बात कही। वे शनिवार को जोधपुर आए हुए थे। इस दौरान, उन्होंने मीडिया से एसआई भर्ती, प्रदेश में भ्रष्टाचार, गहलोत-शेखावत की लड़ाई और मुख्यमंत्री के खिलाफ षड्यंत्र जैसे मुद्दों पर बातचीत की। बेनीवाल ने कहा कि सरकार गिराने में गहलोत खुद शामिल होंगे, क्योंकि जिन बीजेपी वालों से उनकी बात हुई होगी, उनको एमएलए वे ही देंगे। वे ऐसा पहले भी कर चुके हैं, इसलिए यह कोई अचरज वाली बात नहीं है।

शेखावत और गहलोत के बीच बयानबाजी पर चुटकी लेते हुए बेनीवाल ने कहा कि दोनों एक ही हैं, पहले बात हो गई होगी आपस में, इसलिए अब बयानबाजी कर रहे हैं। मिलीभगत के खेल से प्रदेश का बंटाधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान भाजपा ने कहा था कि वह एसआई भर्ती रद्द करेगी, आरपीएससी का पुनर्गठन होगा। इसके झांसे में युवा आ गए थे, लेकिन अब पार्टी मुकर रही है। पिछले 66 दिन से धरना चल रहा है। कोई सुनवाई नहीं है। एक तारीख को मामले की सुनवाई है, अगर सरकार ने हमारे पक्ष में परिणाम नहीं दिया तो हम दिल्ली कूच करेंगे। बेनीवाल ने कहा कि आरएएस की मुख्य परीक्षा टालने के लिए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने धरना हटवाया था, लेकिन बाद में क्या हुआ कि परीक्षा नहीं टाली गई।

बेनीवाल ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के जाट समाज को केन्द्र में आरक्षण दिलाने के लिए फिर से आंदोलन किया जाएगा। इसके लिए वे कल भरतपुर जा रहे हैं। भरतपुर के डेहरा मोड़ पर कार्यक्रम रखा गया है। वहां बड़ा निर्णय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के नौ राज्यों में जाट समाज को केन्द्र में ओबीसी आरक्षण से वंचित रखा गया है। इनमें राजस्थान में धौलपुर व भरतपुर शामिल हैं। राजस्थान में राज्य स्तर पर तो इन जिलों के जाट समाज को आरक्षण दे दिया गया, लेकिन केन्द्र के आरक्षण से वे आज भी वंचित हैं। इसको लेकर जाट आरक्षण संघर्ष समिति बनी हैं।

नागौर सांसद बेनीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि एसीबी में वे ही अफसर लिए जा रहे हैं, जो पहले से जमकर भ्रष्टाचार करते रहे हैं। इसे बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसओजी के भी यही हालात हैं। वहां पर तीन के साथ एक फ्री है। तीन मुल्जिम ले जाओ,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के जाट समाज को आरक्षण दिलाने के लिए फिर से आंदोलन होगा। इसके लिए वे रविवार को भरतपुर जा रहे हैं।

कोलकाता गैंग रेप में एक और गिरफ्तार

कोलकाता, 28 जून। दक्षिण कोलकाता में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से सहायता प्राप्त लॉ कॉलेज में कानून की छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने शनिवार को एक और संदिग्ध को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही इस मामले में पकड़े गये कुल संदिग्धों की संख्या चार हो गयी। कॉलेज परिसर के सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी (55) को 25 जून की शाम को परिसर में हुए अपराध की जानकारी होने के बावजूद, पीड़िता की मदद नहीं करने के आरोप में शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया। वहीं, तीन आरोपियों - कॉलेज के पूर्व छात्र एवं अब एड-हॉक कर्मचारी मनोजीत मिश्रा (31), प्रमित मुखर्जी (20) और जैब अहमद (19) को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था।

- मामले में अब तक चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

मुख्य आरोपी मनोजीत ने 2022 में कानून की उपाधि हासिल की थी और फिर एक गैर-शिक्षण कर्मचारी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या है युवा अभिनेत्री शेफाली ज़रीवाला की आकस्मिक मौत का कारण

कुछ फिज़ीशियन्स का मत है कि वे 8 साल से एंटी एजिंग ट्रीटमैंट ले रही थीं, संभवतया इसी वजह से उनकी मौत हुई है

मुंबई, 28 जून। बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली ज़रीवाला का निधन हो गया है। वह 42 वर्ष की थी। बताया जा रहा है कि 27 जून की रात शेफाली को अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। उनके पति पराग त्यागी उन्हें तुरंत मुंबई मे एक अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहा चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अभिनेत्री से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शेफाली ज़रीवाला एक एंटी-एजिंग ट्रीटमेंट ले रही थीं। यह उपचार आमतौर पर त्वचा की बनावट में सुधार लाने और अधिक युवा दिखाने के उद्देश्य से किया जाता है। इस प्रक्रिया में उपयोग की जाने वाली दवाओं में मुख्य रूप से विटामिन सी और ग्लूटाथायोन शामिल थे।

सूत्रों से पता चला है कि शुक्रवार को शेफाली का व्रत था और उसने देर शाम खाली पेट एंटी एजिंग इंजैक्शन लिया था, जिसके बाद उसका सारा शरीर कांपने लगा था। फिर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

- सूत्रों से पता चला है कि शेफाली ने शुक्रवार को व्रत रखा था और देर शाम उसने खाली पेट एंटी एजिंग इंज़ैक्शन लिया था, उसके बाद उसकी तबियत बिगड़ गई थी।
- शेफाली किशोरावस्था से मिर्गी से भी पीड़ित थीं, संभावना है कि शायद मिर्गी के दौरे का असर हृदय पर पड़ा हो।
- शेफाली ज़रीवाला की मात्र 42 वर्ष की उम्र में हुई असामयिक मौत ने एंटी एजिंग ट्रीटमैंट और उसके साइड इफैक्ट्स को चर्चा के केन्द्र में ला दिया है। इन दिनों कई सैलिब्रिटीज़ जवान बने रहने के लिए यह ट्रीटमैंट ले रहे हैं।

एक डॉक्टर ने बताया, ''ग्लूटाथायोन एक ऐसी दवा है जिसका उपयोग त्वचा को गोरा बनाने और शरीर के डीटॉक्सीफिकेशन के लिए किया जाता है।''

चिकित्सा साहित्य के अनुसार, अधिकांश सौंदर्य प्रक्रियाएं - जैसे फिलर्स, त्वचा कसने वाले ट्रीटमेंट्स और इंजेक्टेबल्स -प्रमाणित विशेषज्ञों द्वारा किए जाने पर सुरक्षित मानी जाती हैं। लेकिन कुछ दुर्लभ मामलों में एलर्जिक रिएक्शन, संक्रमण और रक्तवाहिनी संबंधी जटिलताएं हो सकती हैं। ऐसा कम होता है, लेकिन किसी अप्रत्याशित और अस्पष्ट मेडिकल घटना की स्थिति में इन पर संदेह बढ़ जाता है। हालांकि आजकल कई सैलेब्रिटीज़ यह ट्रीटमैंट लेते हैं।

शेफाली फिटनेस को लेकर बहुत सजग थीं कि लेकिन बताया जाता है कि 15 साल की उम्र से उन्हें (एपिलैप्सी) मिर्गी की बीमारी थी, जिसका खुलासा खुद उन्होंने 2021 के एक इंटरव्यू में किया था।

उन्होंने खुद इस बीमारी को तनाव और एंग्ज़ायटी से जोड़ा था और कहा था कि प्रसिद्धी और मीडिया की चकाचौंध के बीच भी यह समस्या उनके जीवन का हिस्सा रही है लेकिन सही इलाज से उन्होंने इसे नियंत्रित कर लिया था। चिकित्सकों का कहना है कि कुछ दुर्लभ मामलों में मिर्गी का दौरा हृदय या सांस सम्बंधी जानलेवा समस्याएं पैदा कर सकता है।

शेफाली पहले भी मानसिक स्वास्थ्य और डिप्रेशन से संघर्ष के बारे में सार्वजनिक रुप से बोल चुकी थीं- ये ऐसे कारक हैं जो मिर्गी को और अधिक गंभीर बना सकते हैं। हालांकि उनकी बेहोशी से पहले मिर्गी के दौरे की पुष्टि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इटली में हुआ ''शोले'' का प्रीमियर

इटली, 28 जून। बॉलीवुड फिल्मकार रमेश सिप्पी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' का विश्व प्रीमियर इटली में बोलोग्ना के प्रतिष्ठित इल सिनेमा रिट्रोवाटो फेस्टिवल में किया गया। इसमें फिल्म का अनकट वर्ज़न दिखाया गया है।

फिल्म शोले की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए यह स्क्रीनिंग 27 जून को ओपन-एयर पियाज़ा मैगीगोर में हुई।

- इटली में हुए एक प्रतिष्ठित फिल्म फैस्टिवल में शोले का ''अनकट वर्ज़न'' दिखाया गया।

इस अवसर पर 'शोले' के निर्देशक रमेश सिप्पी ने कहा, क्या मैंने कभी सोचा था कि शोले इतनी दूर तक जाएगी। बिल्कुल नहीं! मुझे याद है कि जब हम इसे बना रहे थे तो हमें विश्वास था कि हम एक अच्छी फिल्म बना रहे हैं। लेकिन एक ऐसी फिल्म जो सभी रिकॉर्ड तोड़ देगी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)